छतरी रानी

शिरीन, चित्र: टी. यून

जब नूट को अंततः अपने गांव की अन्य महिलाओं और लड़कियों की तरह छतरियां पेन्ट करने की अनुमति मिली, तब उसने चुपके से उम्मीद की कि शायद वो इस साल की "छतरी रानी" (अम्ब्रेल क्वीन) के रूप में चुनी जाए. फिर वो बड़े ध्यान से, फूल और तितलियाँ पेन्ट करती रही - ठीक उसी तरह जैसे उसने अपनी माँ और दादी को सालों से पेन्ट करते देखा है.

लेकिन जल्द ही उसकी कल्पना ने उड़ान भरी और नूट ने खुद को पुराने नमूनों से दूर भटकते हुए पाया. उसका उससे परिवार निराशा हुआ क्योंकि वे अपनी आजीविका के लिए छतरियों पर पारंपरिक नमूने पेन्ट करने पर ही निर्भर थे.

नूट के माता-पिता ने उससे कहा कि उसे पुराने डिजाइनों को ही पेन्ट करना चाहिए. नूट ने उनकी बात मानी भी क्योंकि उसे पता था कि राजा जल्द ही सबसे खूबसूरत छतरी पेन्ट करने वाली "छतरी रानी" को चुनने आ रहा था. क्या राजा कभी भी ऐसी "छतरी रानी" को चुनेगा जिसने परंपरा को तोड़ा हो?

छतरी रानी

शिरीन, चित्र: टी. यून

थाईलैंड की पहाड़ियों में ऊंचाई पर एक गाँव बसा है जहाँ हर कोई एक ही काम करता है. गाँव के लोग वही काम सैकड़ों वर्षों से करते आए हैं. वे छतरियां बनाते हैं. बड़े, छाते, छोटे छाते. कागज की छतरियां, रेशम की छतरियां. लाल, नीले, पीले, गुलाबी, हरे रंग की छतरियां. फिर उन सभी छतरियों को गांव की महिलायें और लड़कियां फूलों और तितलियों के नमूनों से पेन्ट करती हैं.

हर नए साल के दिन, जो महिला सबसे खूबसूरत छतरी पेन्ट करती है, उसे "छतरी रानी" के रूप में चुना जाता है, और वो सभी गांव वालों का एक बड़ी छतरी परेड में नेतृत्व करती है. नूट नाम की एक छोटी लड़की ने पहले इन परेडों में भाग लिया था. वो बड़ी लड़कियों के पीछे चल रही थी जिन्होंने बड़े गर्व से छतरियों को पेन्ट किया था. नूट सपना देख रही थी - काश उसके पास भी खुद की एक छतरी होती!

"मैं छाते कब पेन्ट करना शुरू करूंगी?" उसने अपनी माँ से पूछा. छाते कैसे बनते हैं वो नूट को पहले से ही पता था. उसने पिताजी को छतरी के फ्रेम बनाने के लिए लकड़ी और बांस की पतली पट्टियों को एक-साथ फिट करते हुए देखा था.
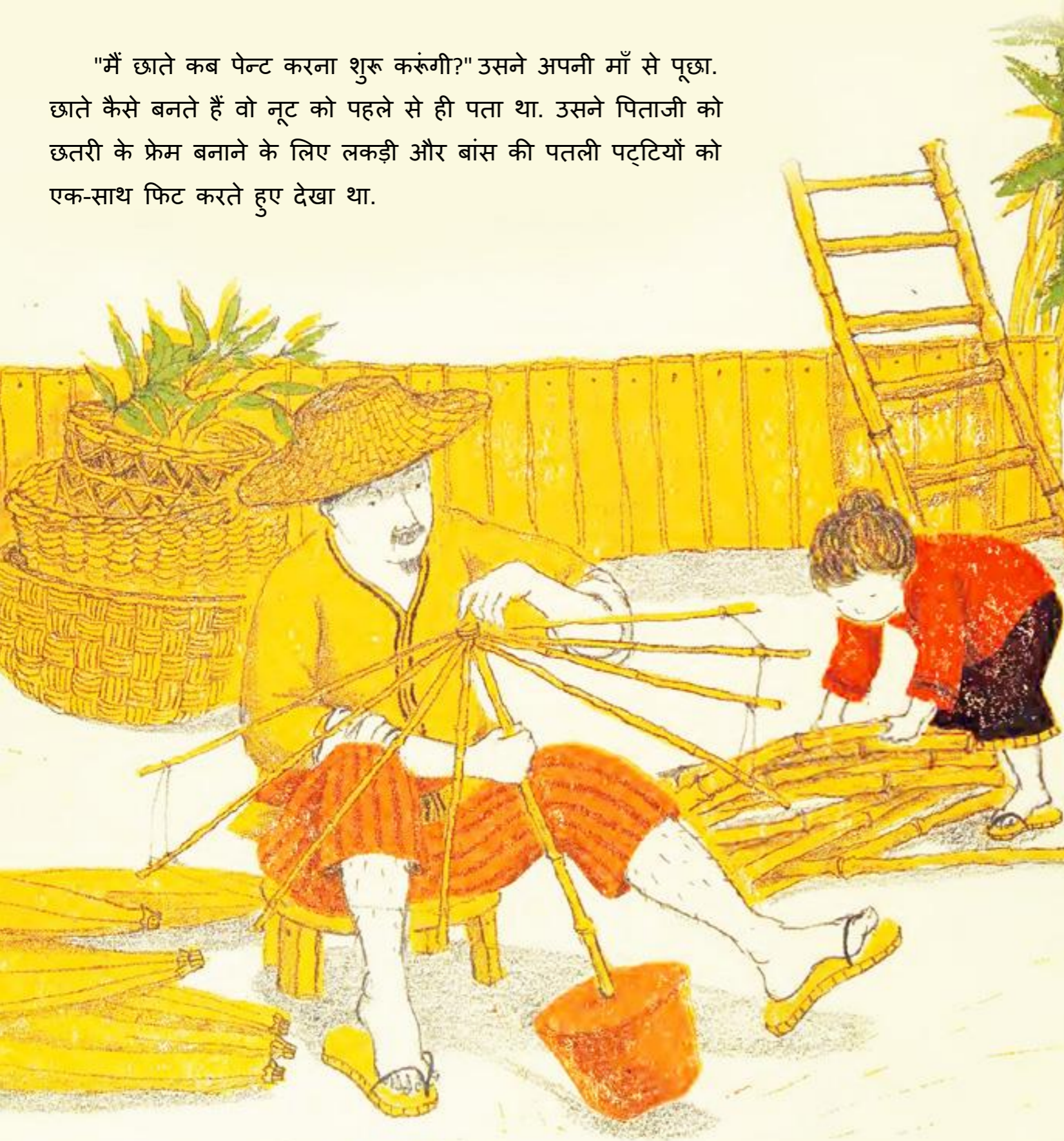
उसने छतरियों को ढकने के लिए दादी की कागज बनाने में मदद की थी. लेकिन नूट वो करना चाहती थी जो उसकी माँ करती थीं : वो भी छतरियों को पेन्ट करना चाहती थी.

"कृपया मुझे भी छतरी पैंटिंग करने दें. मैं वादा करती हूं कि मैं बड़ी सावधानी से काम करूंगी," नूट ने कहा.

नूट की माँ बगीचे में काम कर रही थी. नए पेन्ट किए हुए छाते उनके चारों ओर बड़े-बड़े फूलों की तरह फैले हुए थे. नूट को एक छाता देते हुए माँ ने कहा, "बहुत सावधानी से पेन्ट करना, नूट. अपनी छतरी पर वही पेन्ट करना जो मैं पेंट कर रही हूं."

नूट की माँ ने एक फूल रंगा. नूट ने भी एक फूल पेन्ट किया. नूट की माँ ने कुछ पत्तियाँ और लताएँ बनाईं. नूट ने भी बड़े ध्यान से पत्तियों और लताओं को पेन्ट किया. नूट की माँ ने एक फूलों के चारों ओर दो तितलियाँ को मंडराते हुए चित्रित किया. नूट ने भी एक फूल के चारों ओर दो तितलियां मंडराते हुए बनाईं.

"तुमने तो बहुत अच्छा किया है, नूट," माँ ने प्रभावित होते हुए कहा. "चलो, अब पिताजी को हम अपने छाते दिखाते हैं."

फिर उन्होंने दोनों छाते नूट के पिता के सामने रख दिए. नूट की दादी भी साथ में शामिल हुईं. वे सभी एक छतरी से दूसरी छतरी को निहारते रहे. "इन छतरियों में कुछ भी अंतर बताना मुश्किल है!" नूट की दादी ने कहा. फिर नूट के पिता ने अपनी बेटी को गले लगाया.

"कुछ अभ्यास के बाद, नूट, तुम एक महान छतरी आर्टिस्ट बनोगी!"

अगले दिन, नूट की माँ ने उसे पाँच छाते पेन्ट करने के लिए दिए. "देखो यह एक तैयार छतरी है, जिससे तुम्हें पता चलेगा कि तुम्हें क्या पेंट करना है," उसकी माँ ने कहा. फिर दादी ने नूट को पेंट-ब्रश का अपना सेट दिया. अंत में, पिता ने उसकी सारी चीजें बगीचे के कोने में एक चुनी हुई जगह पर ले जाने में उसकी मदद की.

नूट धूप में बैठ गई और पेंट करने लगी. सबसे पहले, उसने तितलियों को चित्रित किया. उसके बाद वो फूलों, पत्तियों और लताओं को रंगने जा रही थी. लेकिन फिर कुछ ऐसा हुआ कि उसने अपना मन बदल लिया. उसने तितलियों का पीछा करता हुआ एक हाथी बनाया. छतरी के किनारे पर, एक नन्हा हाथी तितलियों का पीछा कर रहा था.

उसकी दूसरी छतरी पर तितलियाँ उड़ रही थीं. अब क्योकिं छोटा हाथी, अकेला रह रहा गया था इसलिए वो कुछ वर्जिश कर रहा था. उसने अपने हाथों से खुद को उठाने की कोशिश की लेकिन वो नीचे गिर गया. . . लेकिन उसने फिर से उठकर वही दुबारा करने की कोशिश की.

नूट की तीसरी छतरी पर, छोटा हाथी एक दूसरे हाथी के साथ था. दोनों हाथी ख़ुशी से गोल-गोल दौड़ रहे थे और एक-दूसरे पर अपनी सूंड़ों से पानी का छिड़काव कर रहे थे.

चौथी छतरी पर, हाथियों की एक पूरी एक लाइन खुशी से चल रही थी. सभी हाथियों ने अपने आगे वाली हाथी की पूंछ अपनी सूंड से पकड़ी थी.
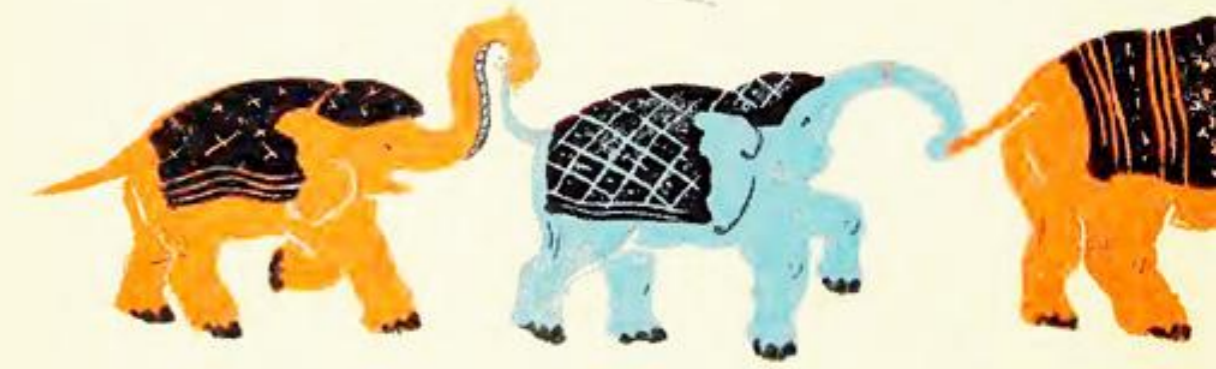
और आखिरी छतरी पर, हाथियों को सिर्फ मूर्खतापूर्ण करतब करने का मज़ा ले रहे थे.
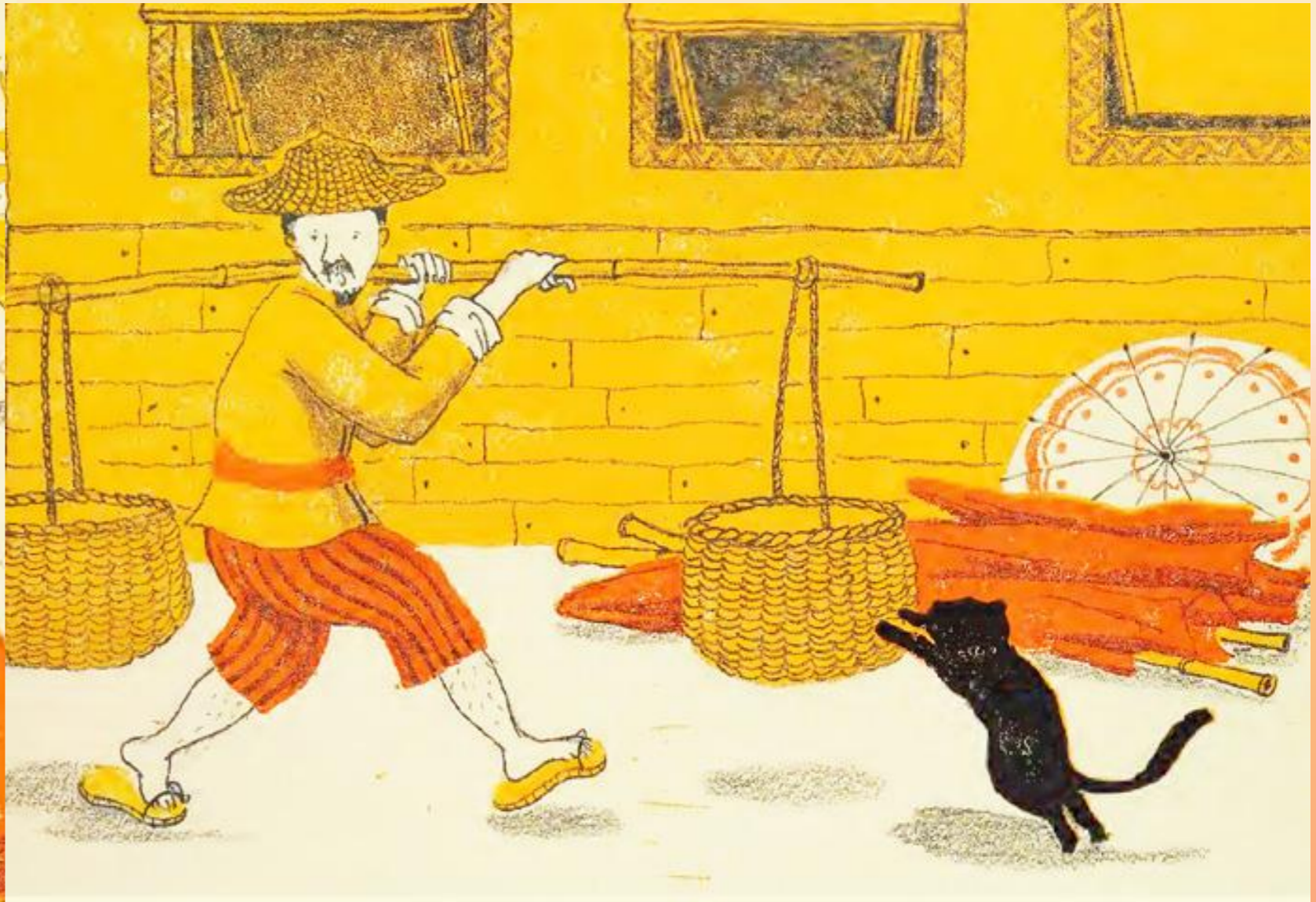
"तुम यह क्या कर रही हो?" नूट की माँ ने पूछा. वो बहुत प्रसन्न नहीं लग रही थीं. "तुम तो फूलों और तितलियों को पेन्ट करने वाली थीं!"

नूट मुस्कुराई. "लेकिन मुझे हाथी ज़्यादा पसंद हैं," उसने कहा.

"बेटा मेरी बात सुनो, नूट," उसके पिता ने कहा, "तुम्हें छतरियों पर फूलों और तितलियों को ही पेन्ट करना होगा."

"हाँ, पिताजी," नूट ने अपनी निराशा को छिपाने की कोशिश करते हुए कहा, वो जानती थी कि उसके परिवार द्वारा बनाई गई सभी छतरियां ग्राम परिषद की दुकान पर बेंची जाती थीं, और उनमें सिर्फ फूल और-तितली छतरियों के डिज़ाइन ही होते थे. छतरियों को पेंट करना उनके लिए सिर्फ मनोरंजन नहीं था. छतरियां पेन्ट करके नूट का परिवार अपना घर चलाता था.

इसलिए, उसके बाद पूरे साल, हर दिन, नूट ने फूलों और तितलियों को पेंट करने में कड़ी मेहनत की. लेकिन शाम को, जब हवा तेज़ी से बहती, और गली में बच्चे हँसते हुए लुका-छिपी खेलते, तब नूट ने बांस और शहतूत के कागज के बचे हुए स्क्रैप टुकड़ों को इकट्ठा करती और छोटी गुड़िया के आकार की छतरियां बनाती. और इन छतरियों पर वो हाथी पेन्ट करती और उन्हें बड़े गर्व से उन्हें अपनी खिड़की पर सजाती थी.

जल्द ही नए साल के जश्न की तैयारी का समय आ गया, जिसमें "छतरी परेड" भी शामिल थी. अब यह पहली बार हुआ कि राजा नए साल की छुट्टी अपने शीतकालीन महल में बिताने आए जो नूट के गांव के करीब स्थित था. इस जानकारी के बाद ग्राम परिषद ने उस वर्ष की "छतरी रानी" चुनने के लिए राजा को अपने गाँव में आमंत्रित किया.

फिर हर रोज़, महिलाएं अपने बगीचे में काम करने के दौरान हंसती और बातें करती थीं. वो इस बारे में चर्चा करती थीं कि क्या राजा उनका निमंत्रण स्वीकार करेंगे या नहीं. हर शाम, लोग गाँव के बीच में एक बड़े पेड़ के नीचे इकट्ठे होकर इसी विषय पर चर्चा करते थे.

फिर नए साल से दो हफ्ते पहले एक सुबह, खिड़की के बाहर के शोर ने नूट को जगा दिया. सारा गाँव चिल्ला रहा था और हँस रहा था और लोग एक-दूसरे को बधाई दे रहे थे. क्या चल रहा था यह देखने के लिए नूट बिस्तर से उठी. उसे विश्वास नहीं हो रहा था : राजा ने लिखा था कि वह "छतरी रानी" चुनने के लिए आ रहे थे!
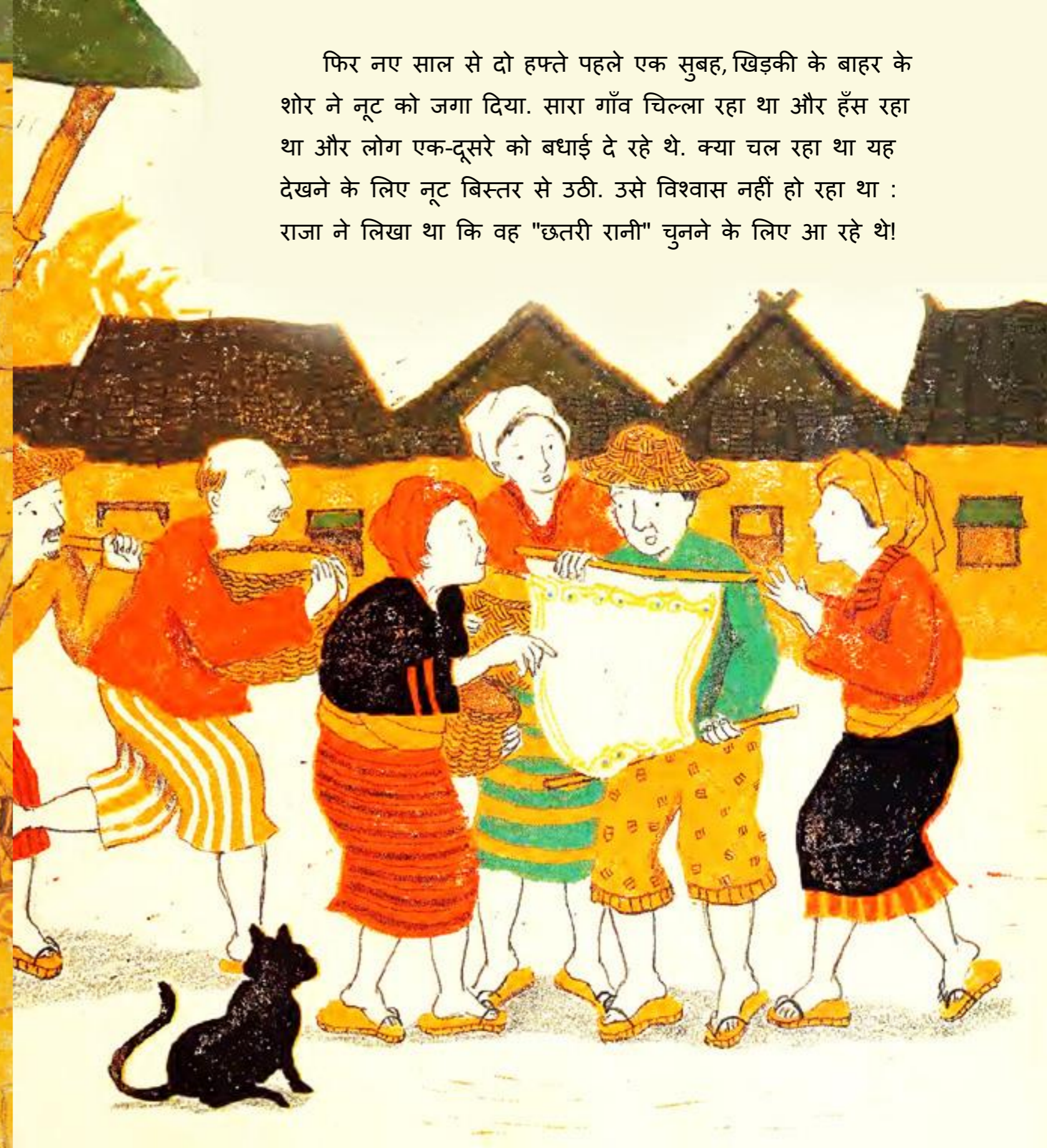
पूरे गांव के लिए वो एक बड़ा दिन था. सभी परिवारों ने अपने घरों की अच्छी सफाई की. उन्होंने अपने दरवाज़ों के पास अपनी सबसे अच्छी छतरियां सजायीं, ताकि रंगे हुए फूल और तितलियाँ सड़क के सामने की ओर हों. राजा और ग्राम पार्षद के अधिकारी एक-एक करके छतरियों का निरीक्षण करते हुए सड़क पर आगे बढ़े.

अंत में, राजा, नूट के घर के सामने रुके. उन्होंने दरवाज़े के पास लगी छतरियों को बड़े ध्यान से देखा. "ये बहुत ही सुंदर छतरियां हैं," उन्होंने नूट की माँ से कहा, जिनकी आँखें सम्मानपूर्वक जमीन की ओर झुकी रहीं.
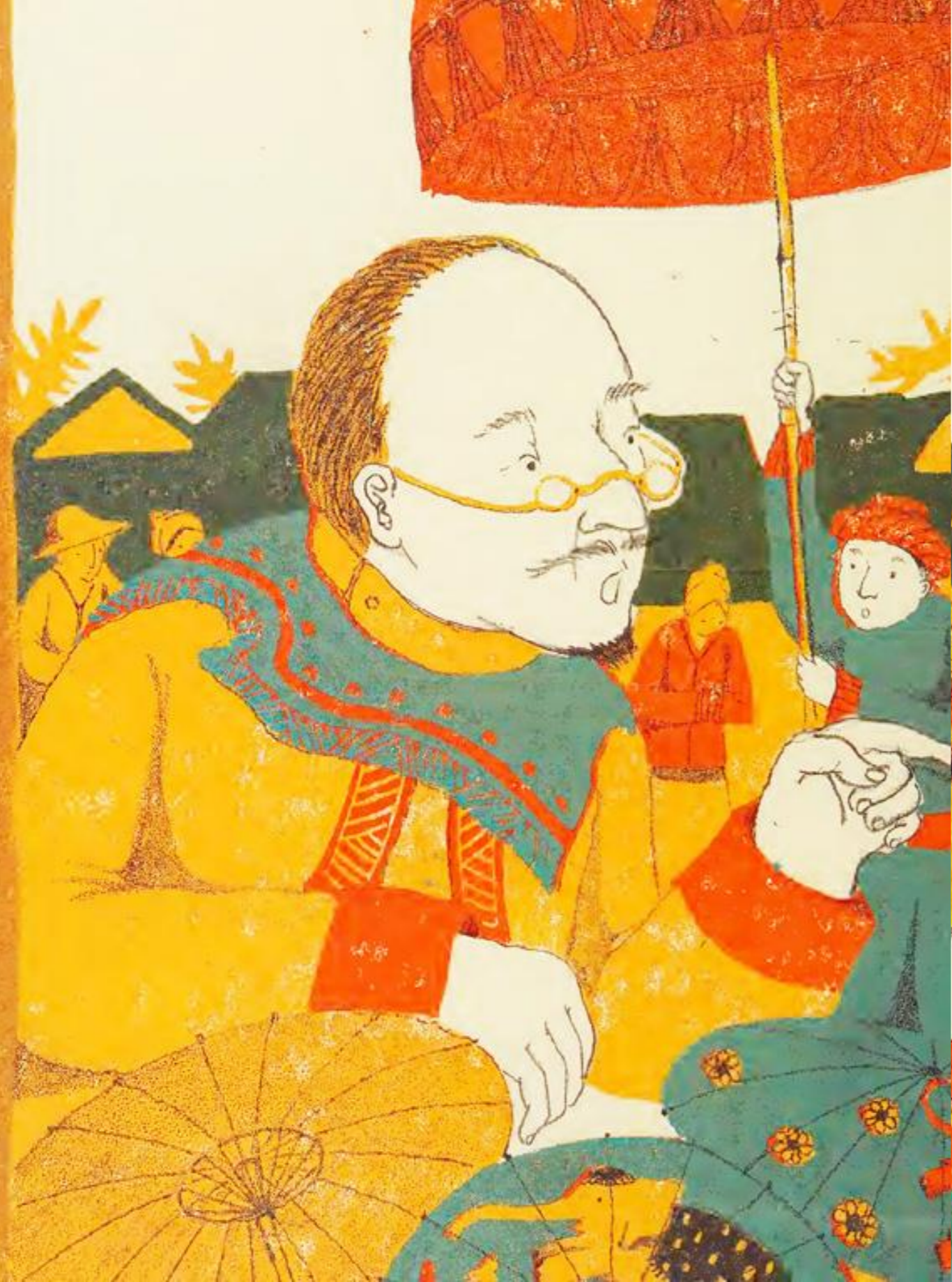
राजा ने सड़क की ओर देखा कि यह सुनिश्चित किया कि वो आखिरी घर था. सभी गाँव वाले अब उनके पीछे एक सम्मानजनक दूरी बनाए खड़े थे. राजा ने मुस्कुराते हुए, अपनी घोषणा करने के लिए अपनी पीठ सीधी की. लेकिन जैसे ही उन्होंने वो किया, उनकी आँखों को कुछ दिखाई दिया. "वो क्या है?" उन्होंने पूछा, और फिर उसे करीब से देखने के लिए वो आगे बढ़े.

जब उन्होंने राजा को अपने घर की खिड़की में से झाँकते हुए देखा तो नूट की माँ लगभग बेहोश हो गईं.

"इन अजीब छतरियों को किसने पेन्ट किया?" राजा ने पूछा.

पूरी भीड़ में एक सुगबुगाहट फ़ैल गई. लोगों ने देखा कि सभी छोटी छतरियां खिड़की में एक-साथ सजी थीं.

"वाह!" राजा चिल्लाए. "वे छोटे-छोटे हाथियों से सजी हैं!"
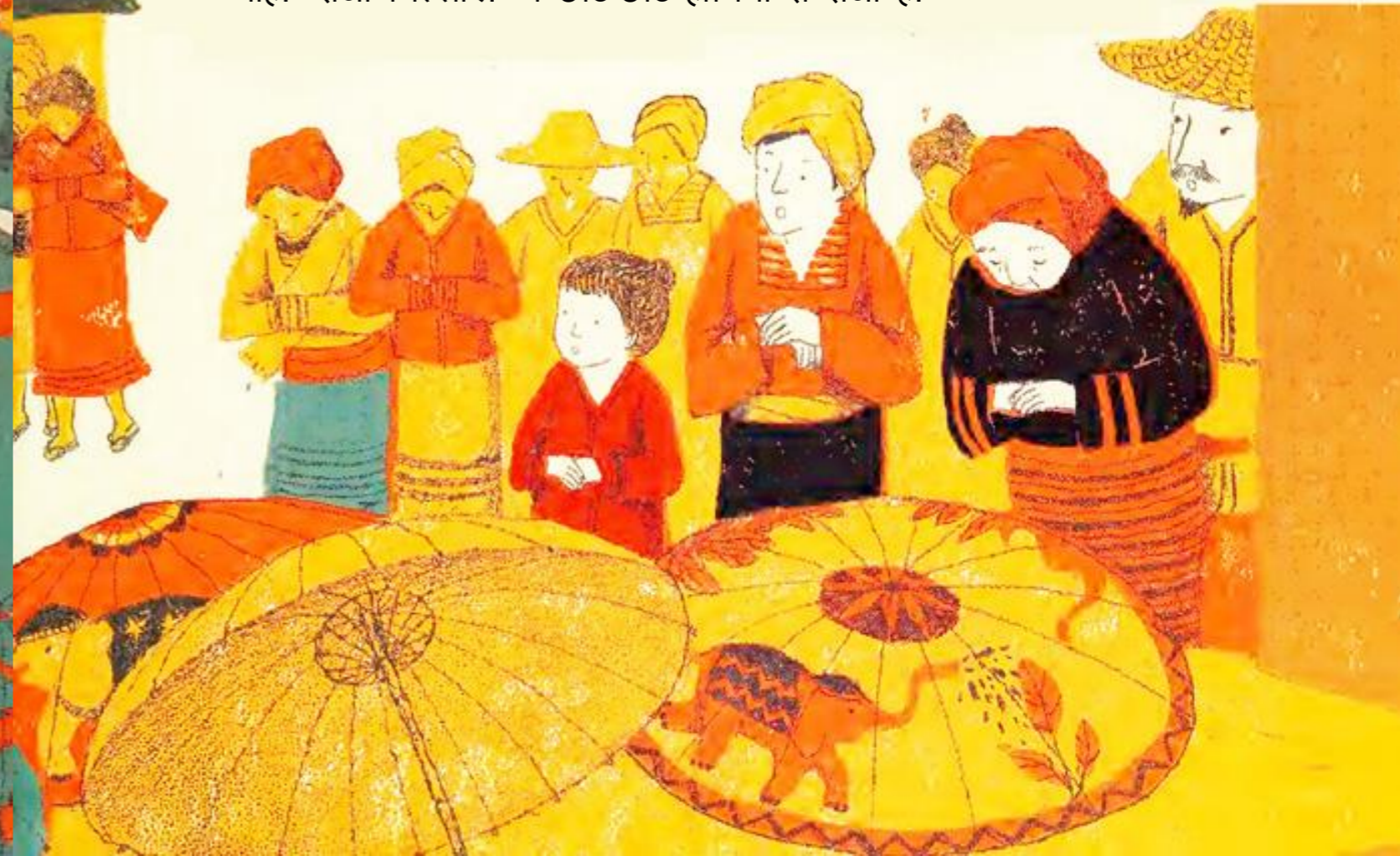
"क्या तुमने इन छतरियों को पेंट किया है?" राजा ने लाल कानों को देखकर अनुमान लगाया और नूट से पूछा.

"हाँ, महामहिम," नूट ने उत्तर दिया. वो झुकी थी और नीचे देख रही थी.

"तुम्हारा नाम क्या है?"

"नूट, महामहिम."

"तुमने इतनी छोटी छतरियां क्यों बनाईं?"

"क्योंकि बड़ी छतरियां केवल फूलों और तितलियों के लिए ही होती हैं," नूट ने जवाब दिया. उसकी आँखें अभी भी ज़मीन में गढ़ी थीं.

"हम्मम," राजा ने कहा, "पर यह बताओ कि क्या फूलों और तितलियों में कोई गलत बात है? तुम्हें हाथियों को पेंट करने की आवश्यकता क्यों पड़ी?"

"ठीक है...," नूट बड़बड़ाई. वो खुद को कैसे समझाए. वो सिहर उठी और अपनी आँखें ज़मीन पर टिकाना भूल गई. उसने सीधे ऊपर देखा और राजा की दोस्ताना मुस्कान देखकर वो हैरान रह गई. "क्योंकि, मुझे हाथी पसंद हैं."

राजा, हँसे.
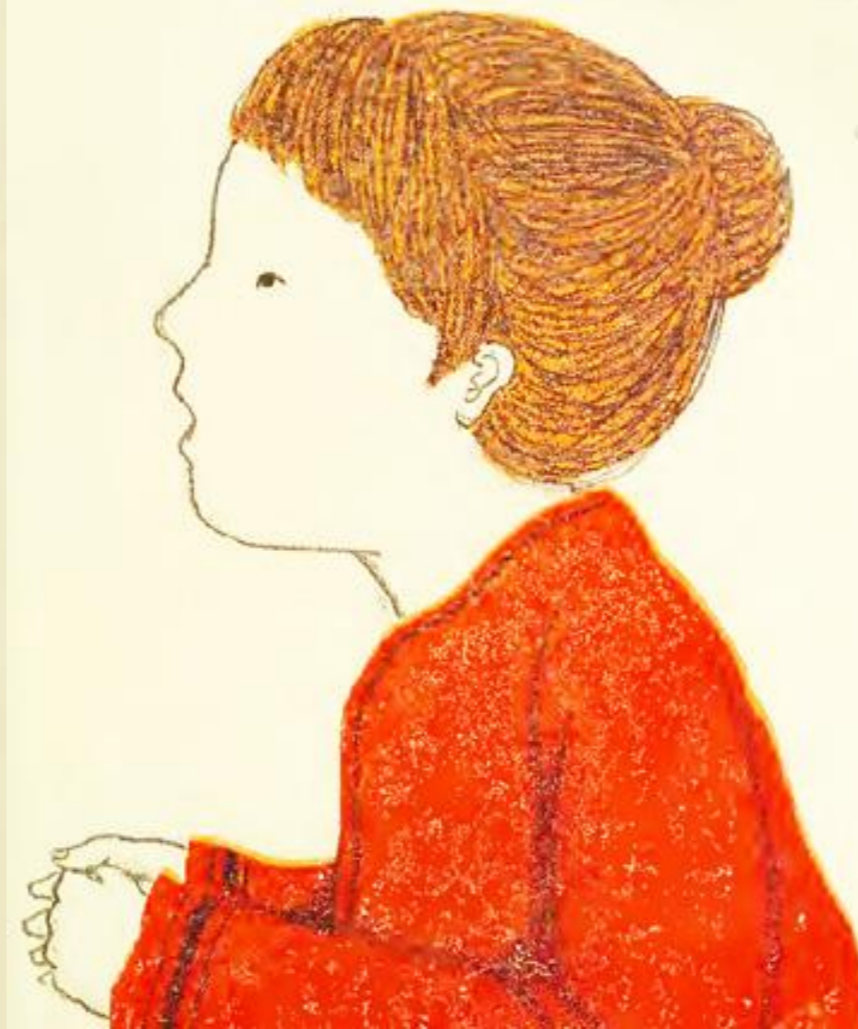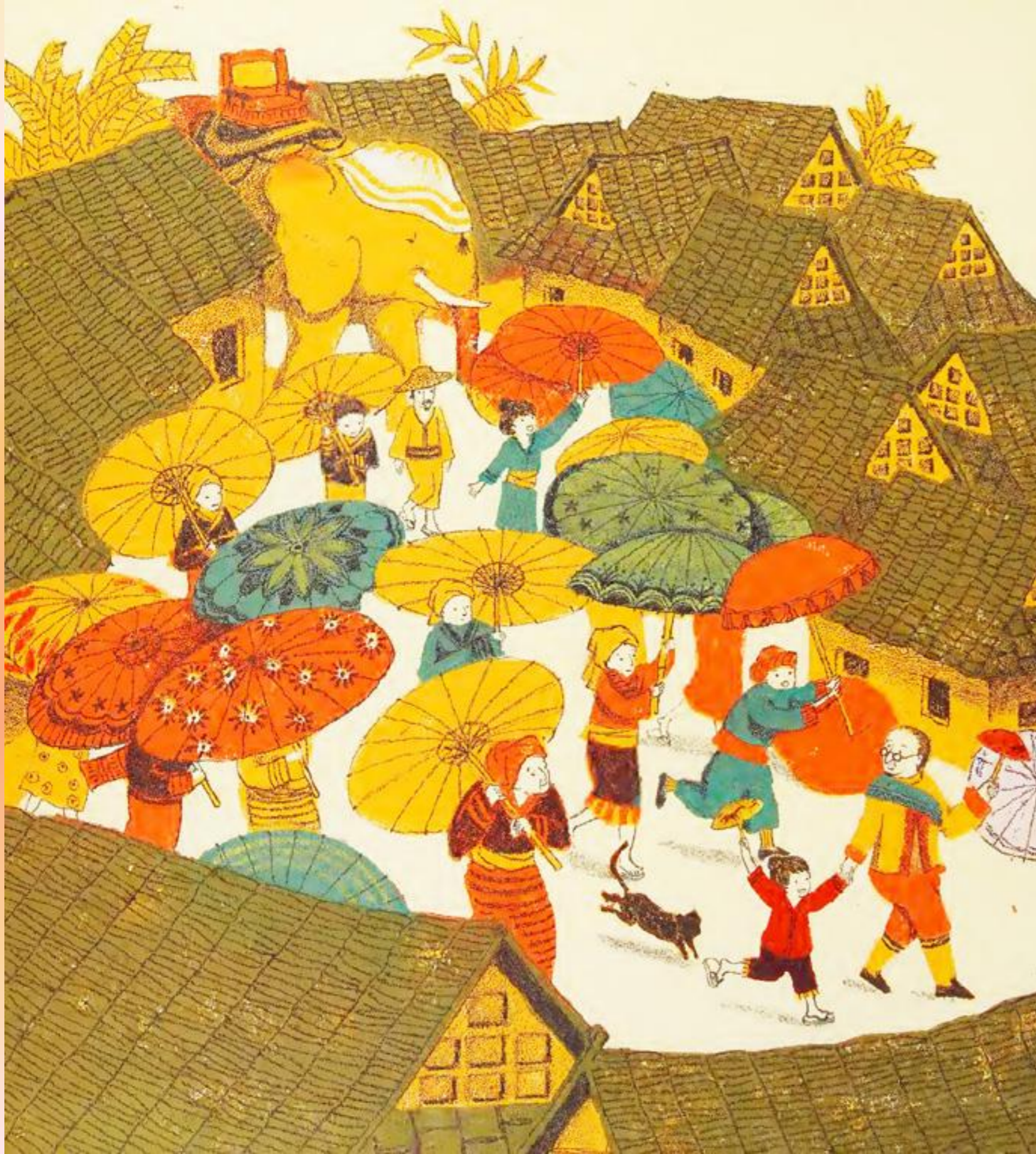
"देवियों और सज्जनों," राजा ने नूट का हाथ पकड़ते हुए और बाकी गांववासियों को संबोधित करते हुए कहा, "क्योंकि वो अपने दिल से पेन्ट करती है, इसलिए इस साल की "छतरी रानी" के रूप में मैं, नूट को चुनता हूं."

अंत